अनुक्रमणिका

अनुक्रमणिका

प्रथम अध्याय : " शंकर शेष : व्यक्तित्व एवम् कृतित्व " पृष्ठ :1 - 25

प्रस्तावना :

1.1 जीवनी : जन्मस्थल, परिवार, प्राथमिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा, उच्च शिक्षा, विवाह, व्यवसाय, मृत्यु ।

1.2 व्यक्तित्व : वेशभूषा, आदतें, पुस्तक प्रेमी, हँसोड व्यक्ति, आदर्श अध्यापक, श्रेष्ठ प्रशासक, संघर्षशीलता,क्रियाशीलता,विनम्रता, अच्छा वक्ता, स्वाभिमानी, प्रसिद्धि विन्मुख ।

1.3 कृतित्व : **नाटक**

मूर्तिकार, रत्नगर्भा, नई सभ्यता के नये नमुने, बेटोंवाला बाप, तिल का ताड़, बिन बाती के दीप,बाढ़ का पानी, बंधन अपने अपने, खजुराहो का शिल्पी,फंदी, एक और द्रोणाचार्य, कालजयी, घरौंदा, अरे ! मायावी सरोवर, रक्तबीज,राक्षस, पोस्टर, चेहरे, कोमल गांधार, त्रिकोण का चौथा कोण, आधी रात के बाद ।

1.4 अन्य कृतियाँ :

1.4.1 एक की :

विवाह मंडप,हिंदी का भूत,त्रिभुज का चौथा कोन, पुलिया,अजायबघर, एक प्याला काफी था ।

1.4.2 बालनाटक :

दर्द का इलाज, मिठाई की चोरी ।

1.4.3 अनूदित नाटक :

दूर के दीप, पंचतंत्र, और एक गार्बो, चल मेरे कददू ठुम्मक ठुम।

1.4.4 उपन्यास :

तेंदू के पत्ते, चेतना, खजुराहो की अलका, धर्मक्षेत्रे - कुरूक्षेत्रे ।

1.4.5 अनुसंधान :

हिंदी और मराठी कथा साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन, छत्तीसगढ़ी का भाषाशास्त्रीय अध्ययन, आदिम जाति शब्द संग्रह एवं भाषा शात्रीय अध्ययन

1.4.6 पटकथा :

घरौंदा, दूरियाँ, सोलहवाँ सावन, पोस्टर, घुटन, आक्रोश, खजुराहो का शिल्पी

1.4.7 कहानी :

चेहरे , और वे वहाँ पहुँच गये

निष्कर्ष ।

द्वितीय अध्याय :"शंकर शेष के नाटकों में चित्रित नायिकाओं का स्वरूप " पृष्ठ : 26 - 57

प्रस्तावना और प्राचीन नायिकाओं का स्वरूप :

2:1 : नायिकाओं का स्वरूप : शैक्षिक स्वरूप ।

2:1:1 : अशिक्षित नायिका ।

2:1:2 : शिक्षित नायिका ।

2:2 : नायिकाओं का स्वरूप : वर्गीय स्वरूप ।

2:2:1 : उच्च वर्गीय नायिका ।

2:2:2 : मध्यमवर्गीय नायिका ।

2:2:3 : निम्नवर्गीय नायिका ।

2:3 : नायिकाओं का स्वरूप : प्रेमिका स्वरूप ।

2:3:1 : सफल प्रेमिका ।

2:3:2 : असफल प्रेमिका ।

2:4 : नायिकाओं का स्वरूप : आर्थिक स्वरूप ।

2:4:1 : स्वावलंबी नायिका ।

2:4:2 : परावलंबी नायिका ।

निष्कर्ष ।

तृतीय अध्याय : " शंकर शेष के नाटकों में चित्रित नायिकाओं की विशेषताएँ " पृष्ठ : 58 -93

प्रस्तावना

3:1 : संघर्षशील नायिका ।

3:2 : पतिनिष्ठ नायिका ।

3:3 : कर्तव्यनिष्ठ नायिका ।

3:4 : क्षमाशील नायिका ।

3:5 : पति से असीम प्यार करनेवाली नायिका ।

3:6 : पारिवारिक जीवन में असफल नायिका ।

3:7 : आशावादी नायिका ।

3:8 : चारित्र्य के प्रति सजग नायिका ।

3:9 : व्यवहार चतुर नायिका ।

3:10 : दृढ़शील नायिका ।

3:11 : स्वाभिमानी नायिका ।

3:12 : स्वार्थ प्रेरित नायिका ।

निष्कर्ष ।

चतुर्थ अध्याय : " शंकर शेष के नाटकों में चित्रित नायिकाओं की समस्याएँ " पृष्ठ : 94-117

प्रस्तावना

4:1 : मातृत्व की समस्या ।

4:2 : प्रेम की समस्या ।

4:3 : विश्वासघात की समस्या ।

4:4 : पतिद्वारा पत्नी के शोषण की समस्या ।

4:5 : नैतिकता की समस्या ।

4:6 : राजनीतिक समस्या ।

4:7 : नारी स्वतंत्रता की समस्या ।

4:8 : आर्थिक समस्या ।

4:9 : झूठी प्रतिष्ठा की समस्या ।

4:10 : दाम्पत्य संबंधों में तणाव की समस्या ।

निष्कर्ष ।

उपसंहार । पृष्ठ : 118-121

परिशिष्ट । पृष्ठ : 122-123

आधार ग्रंथ । पृष्ठ : 124-128

संदर्भ ग्रंथ सूची । पृष्ठ : 124-128